द्वितीय
भारतीय मसीही प्रार्थना दिवस
सताये हुओं के लिये (ICDPP)

सोमवार 01, अक्टूबर

हम यह दिन उन सभी महिलाओं एवं पुरुषों को समर्पित करते हैं जो अलग – अलग सस्थाओं के साथ में जुड कर भारत में परमेश्वर के द्वारा बडे सामर्थी रुप से उपयोग में लिये जा रहे है, लेकिन निराशा में से हो कर गुजर रहे है। कलीसिया प्रार्थना करें यीशु के नाम से कि उनके शरीर, प्राण, आत्मा के ऊपर और हर दुर्बलता, हर तिरस्कार, हर जरूरत, हर सताव और हर संकट में उनकी सुरक्षा बनी रहे।

ए1क
अक्टूबर
सोमवार

पर्सिक्यूशन
रिलीफ
व्यापक समर्थन

प्रार्थना के बिन्दु

- परमेश्वर के सारे भक्त पुरुषों और महिलाओं की सुरक्षा के लिए प्रार्थना करें, जो कि अलग-अलग संस्थाओं के साथ में जुड़कर पूरे भारत में प्रभु की सेवा को कर रहे हैं | प्रार्थना करें कि परमेश्वर उनकी सुरक्षा करें क्योंकि उनका युद्ध मांस और लहू से नहीं परंतु प्रधानों से और अधिकारियों से और इस संसार के अंधकार के हाकिमों से और उस दुष्टता के आत्मिक सेनाओं से हैं जो आकाश में हैं |

- हम बड़ी उम्मीद के साथ में प्रार्थना करें और हमारी उत्साही प्रार्थना उन लोगों के लिए उद्धार और छुटकारा लेकर आए जो जेल में बंद हैं सिर्फ इसीलिए क्योंकि उन्होंने प्रभु यीशु मसीह के नाम पर भरोसा किया है |

- प्रार्थना करें परमेश्वर के भक्तजनों के लिए कि वह पवित्र आत्मा से भर कर अपने विश्वास में स्थिर रह सके, और सताव में भी यीशु मसीह का तिरस्कार ना करें। पतरस को जब दासी लड़की ने पूछा तो 3 बार उसने यीशु मसीह का तिरस्कार कर दिया (लुका 22: 54-57) | प्रभु के साथ में साढे 3 साल तक चलने के बावजूद डर के कारण पतरस ने यीशु को धोखा दिया | परंतु जब पेन्तुकोस का दिन आया तब पतरस पवित्र आत्मा से भर गया और हजारों लोगों के सामने गवाही दी और बड़ी दृढ़ता से कहा कि तुम लोगों ने यीशु मसीह को क्रूस पर चढ़ा दिया |

- प्रार्थना करें उन सभी सताए हुए मसीहियों के लिए कि वे इन कठिन समय में अंत तक विश्वास योग्य रहे | प्रभु कहता है कि यदि तुम मनुष्यों के पग दौड़ में थक जाते हो तो तुम घोड़ों के मुकाबले में कैसे दौड़ोगे। (यिर्मियाह 12:05)

- जिस प्रकार योना निनवे जाने के बजाय तर्शीश चला गया था, प्रार्थना करें कि परमेश्वर के भक्त अपने आदेश से भाग ना जाएं। प्रार्थना करें कि मसीह के शिष्य वफादार रहें और मृत्यु के समय जीवन का मुकुट पाएं। (प्रकाशितवाक्य 2:10)

- प्रार्थना करें कि परमेश्वर के भक्त विश्वास में स्थिर रह सके फिर चाहे उन्हें शारीरिक, भावात्मक या मानसिक दर्द व सताव को सहना पड़े | प्रार्थना करें कि किसी भी परिस्थिति में परमेश्वर के भक्त मसीह का तिरस्कार ना करें | परमेश्वर ने हमें भय या डर की आत्मा नहीं बल्कि शक्ति, प्रेम और आत्मानुशासन की आत्मा दी है | (2तीमुथियुस1:7)

- प्रार्थना करें कि सताए हुए मसीही परमेश्वर के वचन में शांति पाएं | पहला कुरिन्थियों 10:13 में लिखा है परमेश्वर विश्वासयोग्य है, वह तुम्हारे सामर्थ से बाहर परीक्षा में ना पड़ने देगा वरण परीक्षा के साथ निकाल भी करेगा | शैतान और हमसे नफरत करने वाले चाहे बहुत से मार्गो से हमें कष्ट पहुंचाने की कोशिश करें लेकिन वह हम तक नहीं पहुंच पाएंगे जब तक परमेश्वर की आज्ञा ना हो |

- ऐस्तर के समान प्रार्थना करें, जिसने अपने प्राणों की परवाह किए बिना, अपने उपवास और मध्यस्थ की प्रार्थना के द्वारा फारस के राजा क्षयर्ष से प्रसन्नता प्राप्त की और दुष्ट हामान की बुरी योजनाओं से यहूदी जाति को बचाया | आइए अपने प्रार्थना की शक्ति के द्वारा अपने साथी मसीहियों को जो सताए गए हैं बचाएं |

- भारत भर में सताए गए मसीही परिवारों के लिए प्रार्थना करें, विशेषत: पास्टरों की पत्नियों और उनके बच्चों के लिए ताकि परमेश्वर की सुरक्षा और अनुग्रह उन पर बनी रहे और वे विश्वास में स्थिर रह कर परमेश्वर के समय का इंतजार करें | हम दानियल की पुस्तक में पढ़ते हैं कि जैसे ही दानियल ने प्रार्थना किया उसकी प्रार्थना सुन ली गई परन्तु उसके पास उत्तर पहुंचने में 21 दिन लग गए | हो सकता है कि हमारी प्रार्थना करते ही हमें उत्तर ना मिले परन्तु हमारे द्वारा लगातार किए गए प्रार्थनाओं का उत्तर हमें अवश्य मिलता है |

- उन सभी नए विश्ववासियों के लिए प्रार्थना करें जो अपने परिवार, अपने समाज एवं मित्रों के द्वारा तिरस्कृत कर दिए गए हैं कि वे अपने विश्वास में निरंतर बने रहे और प्रभु के लिए एक समर्पित जीवन एवं प्रार्थनामय जीवन जीये |

- प्रार्थना करें की सभी सताये हुये दानियल के समान प्रार्थना करें, क्योंकि उसे भी सताया गया था | दानियल ने अपने सताने वालों से नफरत नहीं की परंतु वह अपने आप से यूँ कहता रहा, "प्रभु हमने आपका नाम यहां पर निन्दित किया है | हम यहां ऐसे अच्छे गवाह नहीं बन सके जैसा यह देश हमें देखना चाहता था | हम पराजित हो गए हैं। हमारे सिर शर्म से झुक गए हैं | हम पर अनुग्रह कीजिए और हमें क्षमा कीजिए | हमने आपके ही खिलाफ अपराध किया है। हमने आपके ही विरुद्ध पाप किया है |

- प्रार्थना करें उन सारे मसीहियों के लिए जो धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के अंतर्गत झूठे आरोपों में पकड़े गए हैं | पिछले दिनों में 16 लोगों को इस अधिनियम के अंतर्गत तब गिरफ्तार किया गया जब वे एक गांव में लोगों से मिलने के लिए पहुंचे थे | लगभग 60 दिन उन्हें जेल में रखने के बाद में 7 महिलाओं को जमानत पर रिहा कर दिया गया और बाकी 9 पुरुष अभी भी जेल में बंद है | उनकी जमानत पर सुनवाई इस हफ्ते होनी है |

परसिक्यूशन रिलीफ व्यापक समर्थन